20 | दैनिक जागरण
कानपुर, 12 दिसंबर 2019

पोषण सुरक्षा की ओर दें ध्यान : प्रो. सोलोमन

- सीएसए छात्रों को पोषकीय फसलों के बारे में जानकारी दी गई
- व्यक्तित्व के विकास के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने पर दें जोर

जागरण संवाददाता, कानपुर : खाद्य सुरक्षा कृषि वैज्ञानिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती के साथ उन्हें पोषण सुरक्षा पर भी ध्यान देना होगा जिससे कृषि उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि हो। यह बातें चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति प्रो. सुशील सोलोमन ने कास्ट परियोजना अंतर्गत 'पोषकीय फसल' विषय पर हुए कार्यक्रम के दौरान कहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. सोलोमन ने कहा कि कुपोषण को जड़ से खत्म करने के लिए पोषकीय फसलों का उत्पाद बेहद जरूरी है। विश्वविद्यालय से लेकर किसानों के खेतों तक इसके प्रयोग होने चाहिए। कार्यक्रम में शोध निदेशक प्रो. एचजी प्रकाश ने कहा कि फसल उत्पादों में प्रोटीन एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाने के लिए कई नई प्रजातियां विकसित की गई हैं। यह प्रजातियां कुपोषण दूर करने में सहायक हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता शेफाली राज ने छात्र-छात्राओं को व्यक्तित्व के विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छात्रों को आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए खुलकर प्रश्न पूछने चाहिए। व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता जितनी अधिक होती है वह उतना ही सृजनशील होता है। इस मौके पर कृषि अधिष्ठाता प्रो. पूनम सिंह, कुलसचिव प्रो. कृपाशंकर, संयुक्त शोध निदेशक डॉ. डीपी सिंह, डॉ. विजय यादव, डॉ. अनिल सचान समेत प्रोफेसर व छात्र मौजूद रहे।

सीएसए में कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता शेफाली राज को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते कुलपति प्रोफेसर सुशील सोलोमन ● जागरण

Skill development Programme on Nutritional Crops held on

December 11, 2019